कृषक वर्ग पर AI के प्रभाव

Ayush Gupta, Assistant Professor, Govt. Birla College Bhawani Mandi, Jhalawar (Rajasthan)

सारांश

कृत्रिम बुद्धिमता (AI) भविष्य में कृषि क्षेत्र में क्रांति लाने की बेहतरीन क्षमता रखता है। यह कृषक वर्ग को विभिन्न तरीकों से प्रभावित करेगा। सकारात्मक प्रभाव के रूप में AI का कृषि क्षेत्र मे प्रयोग मौसम के पूर्वानुमान, फसल रोगों की शीघ्र पहचान तथा निवारण, मिट्टी के गुणवत्ता के विश्लेषण और बाजार की सटीक जानकारी आदि प्रदान करके किसानों को उनकी आय और जीवन स्तर में सुधार करने में सहायक हो सकता है। स्वचालित रोबोट और ड्रोन जैसी तकनीकें खेती को अधिक कुशल, उत्पादक और समय की बचत करने वाली बना सकती हैं।। हालांकि, ग्रामीण क्षेत्रों में तकनीकी साक्षरता की कमी और AI उपकरणों की उच्च लागत छोटे और सीमांत किसानों के लिए बड़ी चुनौतियाँ उत्पन्न कर सकती हैं। स्वचालित प्रौद्योगिकी के बढ़ते उपयोग से भूमिहीन किसानों के लिए मजदूरी के अवसर कम हो सकते है। भविष्य में सरकार और निजी क्षेत्र को अल्प लागत वाली, सरल और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुकूल AI तकनीकों का विकास करना चाहिए। किसानों को AI के उपयोग के लिए पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान करना और उनकी भाषा और क्षेत्रीय जरूरतों के अनुसार समाधान तैयार करना अनिवार्य है। AI का संतुलित और समावेशी उपयोग न केवल किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करेगा, बल्कि कृषि क्षेत्र में सतत विकास और सामाजिक प्रगति के नए द्वार भी खोलेगा। उचित योजनाबद्ध प्रयासों से यह तकनीक समस्त कृषक वर्ग को एक नई ऊँचाई पर ले जा सकती है।